



DO. No. २९०४०. MIN PR&FAHD/202.।

### अपील

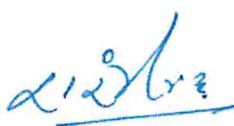
हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर आप सभी को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

भाषा भावों एवं विचारों की जननी और संवाहिका है। यह किसी भी समाज और राष्ट्र के विकास का मूल आधार है। हिंदी भाषा भारत की विविधतापूर्ण संस्कृति और संस्कारों को एक सूत्र में बांधने का कार्य करती है। हिंदी हमारे देश की राष्ट्रीय एकता और अस्मिता का सबसे शक्तिशाली एवं प्रभावशाली माध्यम है जिसमें भारतीय जनमानस की संवेदनाओं को सरलता व सुगमता से व्यक्त करने का सामर्थ्य है।

हिंदी भाषा भारतवर्ष में सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है। इसी के ध्यानार्थ संविधान सभा ने हिंदी को राजभाषा के रूप में 14 सितम्बर, 1949 को अंगीकार किया था। इस महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक निर्णय की स्मृति में पूरे भारत वर्ष में हम प्रतिवर्ष 14 सितम्बर को 'हिंदी दिवस' के रूप में मनाते हैं। संपूर्ण देश 'विकसित भारत' और 'सबका साथ सबका विकास' के सन्दर्भ में अपने गौरवशाली इतिहास का स्मरण कर अपने स्वर्णिम भविष्य की ओर देख रहा है।

राजभाषा हिंदी में कार्य करना हम सभी का संवैधानिक दायित्व है। इस अवसर पर आप सब भी शपथ लें कि अपने संवैधानिक दायित्व का निर्वहन करेंगे और अपना शत प्रतिशत कार्य हिंदी में ही करेंगे और राजभाषा के विकास एवं इसकी उत्तरोत्तर वृद्धि में यथासंभव अपना योगदान देंगे। यह बहुत ही प्रसन्नता की बात है कि पंचायती राज मंत्रालय में प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी 'हिंदी पखवाड़ा' का आयोजन कर विभिन्न प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जा रही हैं। मैं सभी अधिकारियों/कर्मचारियों से अपील करता हूं कि आप सभी अपना अधिक से अधिक सरकारी कार्य हिंदी में ही करें और राजभाषा नीति से संबंधित प्रावधानों का कार्यान्वयन सुनिश्चित करें।

शुभकामनाओं सहित,

  
(राजीव रंजन सिंह)